Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 23-08-2006
Participants : Sangwan Shri Kishan Singh,Gowda Dr. (Smt.) Tejasvini,Singh Shri Ganesh,Yadav Dr. Karan Singh,Rawat Prof. Rasa Singh,Gadhavi Shri Pushpdan Shambhudan,Jai Parkash Shri

an>

Title : Need to impose ban on books of NCERT containing chapters against integrity of National and Social structure.

श्री किशन सिंह सांगवान (सोनीपत) : सभापति महोदय, मैं अपनी बात कहने के लिये पिछले तीन दिनों से नोटिस दे रहा हूं। आज आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिये धन्यवाद।

मैं आपका ध्यान बहुत ही गम्भीर विाय की ओर सदन का ध्यान आकर्ति करना चाहता हू। पिछले दिनों राज्य सभा में NCERT की किताबों के विाय में बहुत शोर मचा था। आज से 4-5 साल पहले भी कुछ ऐसा हुआ था। मालूम नहीं ऐसे कौन से शिक्षा अधिकारी अथवा लेखक बैठे हुये हैं जो NCERT किताबों के माध्यम से समाज को बांटना चाहते हैं। वे महान् लोगों का अपमान करते हैं और बड़े लोगों के नाम से समाज में फूट डालने का काम करते हैं। उसमें गलत-गलत गालियां लिखी हुई हैं। सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर और 10वें गुरु श्री गोविन्द सिह जी ने देश के लिये बड़ी कुरबानी दी है, उनके बारे में बहुत अपमानजनक बातें NCERT की अलग-अलग कक्षा की किताबों में लिखी हुई हैं। इसके अलावा लाला लाजपत राय, अरि वन्द, वीर सावरकर, बाल गंगाधर तिलक जैसे महान् नेता, जिनका सारा देश सम्मान करता है, उनकी पूजा करता है, उनके बारे में गलत टिप्पणियां लिखी हुई cé[RB10]।

जाट समाज जिसको मैं बिलॉन्ग करता हूं, उसके बारे में ऐसे शब्द इस्तेमाल किये गये हैं कि जाट लुटेरा है। उसमें ये शब्द लिखे हैं : They were the plunderers उसका हिन्दी अनुवाद लुटेरा होता है।

MR. CHAIRMAN : If you continue speaking, others cannot speak. Please conclude.

… (*Interruptions*)

श्री किशन सिंह सांगवान (सोनीपत) : सभापति जी, यह बड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। पूरे देश में आग लगी हुई है। जाट समाज के बारे में इतनी गलत टिप्पणी की गई है जिसने देश की आज़ादी के लिए सैकड़ों कुर्बानियां दी हैं। आज भी कोई दिन खाली नहीं जाता जब कोई न कोई जाट समाज का बेटा शहीद न होता हो। जाटों ने अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, मुसलमानों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। आप देख लीजिए कितने मुगल बादशाह इन्होंने हटाए और देश की सीमाओं पर कितने जवान शहीद हुए हैं। …(व्यवधान)

श्री जय प्रकाश (हिसार) : यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है। पूरे देश में आग लगी हुई है। …(व्यवधान)

श्री किशन सिंह सांगवान : जिस दिन से यह इश्यू उठा है, सारे जाट समाज में नाराज़गी है। इन किताबों में ब्राह्मणों और अग्र वालों के बारे में भी कहा गया है कि ये लोग मीट खाते थे। शिवजी को भी नहीं बख्शा, दुर्गा माता को भी नहीं बख्शा। दलित समाज के लोगों को भी नहीं बख्शा। वाल्मीकि के लिए भंगी शब्द का इस्तेमाल किया गया है। रामदासी समाज के भाइयों के लिए चमार शब्द का इस्तेमाल किया गया है। कई गालियां इसमें लिखी गई हैं। हम पूछना चाहते हैं कि इस प्रकार की एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों से आप बच्चों को क्या पढ़ाना चाहते हैं? अर्जुन सिंह जी इस विभाग के मंत्री हैं। उनको इस संबंध में जवाब देना चाहिए कि ये गलतियां किसकी वजह से हुई हैं। जो इसके लिए जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ देशद्रोह का केस बनना चाहिए। आप आजकल के अखबार देखें कि पिछले तीन दिनों से सारे जाट समाज में रोा है। जिस समाज के लोगों ने इतनी कुर्बानियां दी हैं और जो आज भी हल चलाकर देश के लिए अनाज पैदा करते है, उस समाज का अपमान किया गया है। …(व्यवधान)

श्री जय प्रकाश : सभापति जी, उनको बोलने दें। यह बड़ा महत्वपूर्ण मामला है। पूरे देश में आग लगी हुई है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: We will stop it if you continue like this. You have to conclude your submission in two minutes. Otherwise, I will stop the discussion. It is called `special mention'. It is meant to make a `brief' submission. But you are making a speech.

... (*Interruptions*)

श्री किशन सिंह सांगवान : सभापति जी, तीन दिन से हमने नोटिस दे रखा है। आज नंबर आया है। सारे देश का समाज हमसे पूछ रहा है कि हमारे समाज के खिलाफ ऐसा मामला उठा है तो आप सदन में क्यों नहीं बोल रहे हैं। ...(व्यवधान) वे हमसे कह रहे हैं कि आप किसलिए चुनकर आए हैं? अपने समाज की बदनामी हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमारा समाज स्वाभिमानी समाज है। हम कभी किसी के सामने नहीं झुके, हम सबसे ज्यादा देशभक्त और ईमानदार हैं, सबसे ज्यादा वोकल हैं। आज हमारे समाज के खिलाफ इस प्रकार की बातें लिखी जा रही हैं। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि ...(व्यवधान)

श्री जय प्रकाश : सभापति जी, यह बड़ा महत्वपूर्ण मामला है। पूरे देश में आग लगी हुई है। ...(व्यवधान)

SHRIMATI TEJASWINI SEERAMESH (KANAKAPURA): It is a very irresponsible act on the part of NCERT. How can they accuse the communities who have also made contributions to the country? We support the issue raised by the hon. Member. We would like to associate with this matter. ... (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Shri Jai Prakash, Prof. Rasa Singh Rawat, Shri P.S. Gadhavi and Shri Ganesh Singh are allowed to associate with this issue.

... (*Interruptions*)

श्री किशन सिंह सांगवान : मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जाट समाज बड़ा स्वाभिमानी समाज है। हम किसी को छेड़ते नहीं है और बाद में हम किसी को छोड़ते नहीं हैं। जिन लोगों ने हमारे समाज को बदनाम करने का प्रयास किया है, उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए वरना स्थिति विस्फोटक हो जाएगी। आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्य वाद करता हूं।

डॉ. करण सिंह यादव (अलवर) : मैं भी सांगवान जी द्वारा उठाए गए मुद्दे से अपने को असोसियेट करता हूं। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You can also associate.

श्री जय प्रकाश : जिन लोगों ने चार वर्ा पहले यह किताब लिखी है और ये किताबें आज आई हैं, उन सब लोगों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने चाहिए और उनको जेलों में डालना चाहिए। ...(व्यवधान)

श्रीमती तेजस्विनी शीरमेश : जिस कम्यूनिटी ने इतनी कुर्बानियां दी हैं, उनके खिलाफ कैसे इस प्रकार की बातें लिख सकते हैं? ...(व्यवधान)

श्री किशन सिंह सांगवान : ये सब एन.डी.ए. की सरकार ने ओमिट कर दिया था लेकिन आज फिर ये बातें आई हैं। इसका मतलब यह है कि कुछ न कुछ साजिश cè[h11]। ...(व्यवधान) आज ये फिर आ गए हैं। इसका मतलब कुछ न कुछ साजिश है।...(व्यवधान) मुरली मनोहर जोशी जी ने इन सब को रिमूव कर दिया था।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Those Members, whose names I have just now listed, can only associate. Everyone cannot be allowed to speak.

… (*Interruptions*)

SHRIMATI TEJASWINI SEERAMESH : Sir, the Government should take action and immediately punish those who are responsible.… (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Nothing, except the speech of Shri Sunil Kumar Mahato, will go on record.

*(Interruptions) ...**